

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2017

MES-051 : PHILOSOPHICAL AND  
SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

- Note : (i) All questions are compulsory.  
(ii) All questions carry equal weightage.

1. Answer the following questions in about 600 words :

What have been the problems of philosophy traditionally ? Why is philosophy of education considered as a foundation course at different levels of teacher education ?

OR

Illustrate with examples the differences between "Knowing that" and "Knowing how", and "Believing". Also explain the different theories of truth of knowledge.

2. Answer the following question in about 600 words :

Explain the basic tenets of Romantic Naturalism" of Rousseau. Also elucidate its educational implications.

OR

Critically evaluate John Dewey's educational ideas, with special emphasis on teaching and learning.

3. Write short notes on **any four** of the following in about **150** words each.

- (a) Educational ideas of Paulo Friere
- (b) De-schooling concept of Ivan Illich
- (c) School as a socializing agent
- (d) Role of state in education in modern India
- (e) Education as a commodity
- (f) Issues of equity in education

4. Answer this question in about **600** words :

Discuss the concept of social mobility. Critically examine the functionalist and Marxist perspectives in the context of education and social mobility.

---

एम.एड. ( शिक्षा में स्नातकोत्तर )

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाज  
शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में होना चाहिए :  
परम्परागत रूप में दर्शन शास्त्र की कौन कौन सी समस्याएँ रही हैं? अध्यापक-शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक दर्शन की एक आधारिक विषय क्यों समझा जाता है?

अथवा

उदाहरणों की सहायता से "Knowing that", "Knowing how", और "Believing" प्रकार के ज्ञान का अन्तर स्पष्ट करें। इसके अतिरिक्त ज्ञान की सत्यता के विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या भी करें।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दें :  
रूसो द्वारा प्रतिपादित "रूमानी" प्रकृतिवाद के मूल सिद्धांतों को स्पष्ट करें। इस विचार धारा के शैक्षिक निहितार्थों पर भी प्रकाश डालें।

अथवा

अध्यापन और आधिगम प्रक्रिया पर विशेष बल देते हुए जॉन डिवि के शैक्षिक विचारों का विवेचनात्मक मूल्यांकन करें।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार का उत्तर दें। प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्दों का हो।
- (a) पॉलो फ्रिरे के शैक्षिक विचार
  - (b) इवान इलिच की डि-स्कूलिंग अवधारणा
  - (c) विद्यालय-एक सामाजीकरण कर्ता के रूप में
  - (d) आधुनिक भारत में शिक्षा में राज्य की भूमिका
  - (e) शिक्षा, एक उपयोगी 'वस्तु' के रूप में
  - (f) शिक्षा में निष्पक्षता संबंधी मुद्दे
4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दें :  
सामाजिक गतिशीलता नामक अवधारणा की व्याख्या करें। शिक्षा तथा सामाजिक गतिशीलता के संदर्भ में फंक्शनलिस्ट (प्रकार्यवादी) तथा मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्यों का समीक्षात्मक मूल्यांकन करें।
-